सूरह फलक हिंदी और अरबी में

सूरह फलक अरबी में

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَٰنِ الرَّحِيمِ

قُلْ أَعُوذُ بِرَبِّ ٱلْفَلَقِ ۝ مِن شَرِّ مَا خَلَقَ ۝ وَمِن شَرِّ
غَاسِقٍ إِذَا وَقَبَ ۝ وَمِن شَرِّ ٱلنَّفَّٰثَٰتِ فِى ٱلْعُقَدِ ۝ وَمِن
شَرِّ حَاسِدٍ إِذَا حَسَدَ ۝

सूरह फलक का तर्जुमा उर्दू में

شروع اللہ کے نام سے جو بڑا مہربان نہایت رحم والا ہے

کہو کہ میں صبح کے پروردگار کی پناہ مانگتا ہوں• ہر چیز کی بدی سے جو اس نے پیدا کی• اور شب تاریکی کی برائی سے جب اس کااندھیرا چھا جائے• اور گنڈوں پر (پڑھ پڑھ کر) پھونکنے والیوں کی برائی سے• اور حسد کرنے والے کی برائی سے جب حسد کرنے لگے•

सूरह फलक हिंदी में

अऊजोबिल्लाही मिनश शैतानिर रजीम
बिस्मिल्लाह हिर रहमानिर रहीम

1. कुल अऊजु बिरब्बिल फलक
2. मिन शररि मा ख़लक़
3. वमिन शररि ग़ासिकिन इज़ा वकब
4. वमिन शररिन नफ़ फ़ासाति फ़िल उक़द
5. वमिन शररि हासिदिन इज़ा हसद

सूरह फलक का तर्जुमा हिंदी में

अल्लाह के नाम से शुरू करता हूँ , जो निहायती करम करने वाला है।

कह दीजिये की मैं सुबह के रब की पनाह चाहता हूँ।

तमाम मख़लूक़ात के शर से।

और अँधेरी रातो के शर से जब कि उस की तारीकी फ़ैल जाये।

और उन सभी औरतों के शर से जो लोग गिरहों में फूंक मारती है।

और हसद करने वाले के शर से जब वो हसद करने लगे।